

B. A. 5th Semester (Honours) Examination, 2021 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : DSE-I

Time : 3 Hours

Full Marks : 60

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

প্রশ্নপত্রে গ্রুপ-'A' and Group-'B' ইতি বিভাগদ্বয়ং বর্ততে। প্রথমতঃ পরীক্ষার্থিঃ একো বিভাগো গ্রহীতব্যঃ। অতঃপরং প্রশ্নপত্রস্য নির্দেশানুসারেণ প্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ।

(এই প্রশ্নপত্রে Group-'A' and Group-'B' দুটি বিভাগ বিদ্যমান। পরীক্ষার্থীরা প্রথমে একটি বিভাগ বেছে নিয়ে প্রশ্নপত্রের নির্দেশানুসারে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবে।)

Group-A

Dramaturgy-Sāhityadarpana-Chapter-VI?

1. অধোনির্দিষ্টেয়ু প্রশ্নেয়ু যথাকামং যশাঃ প্রশ্নানামুভুরং সমাধেয়ম্। তেয়ু প্রশ্নাদ্বয়মবশ্যমেব সুরাগিরা লেখনীয়ম্।
5×6=30

(নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সরল সংক্ষিপ্তভাষায় লেখ।)

- a) নাটকপ্রকরণযোঃ কো ভেদঃ? যথাগ্রহং সোদাহরণং প্রতিপাদ্যতাম্।
(নাটক ও প্রকরণের মধ্যে পার্থক্য তোমার পঠিত গ্রন্থানুসারে উদাহরণসহযোগে লেখ।)
b) নীতিদীর্ঘা টীকা রচনীয়া। (সংক্ষেপে টীকা লেখো)
গৰ্ভাক্ষঃ। (গৰ্ভাক্ষ।)
- c) প্রবেশকোইনুদাত্তোভ্য। নীচপ্রয়োজিতঃ।

অঙ্গদ্বয়ান্তর্বিজ্ঞেয়ঃ শেষং বিক্ষিকে যথা।।

—ব্যাখ্যা কার্য। (ব্যাখ্যা করো)

- d) অভিনয়ঃ কং? সং কতিবিধঃ? নামানি লিখ্যত্বাম্।
(অভিনয় কী? সেটি কত প্রকার? নামগুলি লেখো)
e) অন্তরেকার্থসম্বন্ধঃ সন্ধিরেকান্বয়ে সতি—আলোচ্যতাম্। (আলোচনা করো।)

- f) चूलिका का भवति? 'अभिज्ञानशकुस्तलम्' इति नाटके दूर्वाससः अभिशापदानकाले चूलिका प्रयुक्ता वा? संयुक्तिकं पठितग्रहमनुसृत्य लिख्यताम्।
 (चूलिका की? 'अभिज्ञानशकुस्तलम्' नाटके दूर्वासार अभिशापदानेर समय चूलिका प्रयुक्त हयेहे किना ता युक्तिसहकारे पठितग्रह अनुसरणे लेखो)
- g) प्रहसनं किम्? सलक्षणं सोदाहरणं प्रतिपाद्यताम्।
 (लक्षण ओ उदाहरणसहयोगे प्रहसन कि ता प्रतिपादन करो।)
- h) पताकाप्रकर्याः को भेदः? (पताका ओ प्रकरीर मध्ये पार्थक्य की?)

2. निम्नलिखितेयु प्रश्नेयु एवः प्रश्नाः समाधेयाः। 10×3=30
 (निम्नलिखित प्रश्नाङ्गुलिर मध्ये तिनटि प्रश्न समाधान करते हवे)।
- a) साहित्यदर्पणोद्धृतं नाटकलक्षणम् आलोच्यताम्। 10
 (साहित्यदर्पणे उल्लिखित नाटकेर लक्षणटि आलोचना करो।)
- b) वृत्तिः का भवति? कतिविधा सा? के च वृत्तिभेदाः? सोदाहरणम् आलोच्यताम्। 10
 (वृत्ति कि? इहा कतप्रकार? वृत्तिर प्रकारगुलि उदाहरणसह आलोचना करो।)
- c) आमूखः किम्? आमूखस्य नामान्तरं लेखनीयम्। सोदाहरणमामूखस्य प्रकाराः आलोचनीयाः। 10
 (आमूख कि? आमूखेर नामान्तरटि लेखो। उदाहरणसह आमूखेर प्रकारगुलि आलोचना करो।)
- d) पूर्वरन्दः कः? पूर्वरन्दस्य विविधेयु अप्नेयु किम् अन्दं नाटके अवश्यः सम्पादनीयम्? उद्दिष्टस्य अन्दस्य ऋनुपमालोचनीयम्। 10
 (पूर्वरन्द की? पूर्वरन्देर विभिन्न अप्नेर मध्ये कोन अन्द नाटके अवश्य कर्तव्य? ऐ अप्नेर ऋनुप आलोचना करो।)
- e) कार्याः किम्? साहित्यदर्पणानुसारमालोचनीयम्। 10
 (साहित्यदर्पण अनुयायी कार्यविषये आलोचना कर।)

Group-B

Maxims in Sanskrit Language

1. निम्नलिखितेयु प्रश्नेयु षट्-प्रश्नाः समाधेयाः। तेयु प्रश्नावयस्योन्नरमवश्यमेव संकृतभाषया लेखनीयम्। 15×6=30
 (निम्नलिखित प्रश्नाङ्गुलिर मध्ये छयटि प्रश्नेर उत्तर दिते हवे। तार मध्ये दुटि अवश्यहि संकृत भाषाय लिखते हवे।)
- a) 'तथा संसन्धिधानेन मूर्धो याति प्रबीणताम्'—अत्र बक्ता कः? उक्तेरस्याः किं तांपर्यम्?
 (तथा संसन्धिधानेन मूर्धो याति प्रबीणताम्)—एथाने बक्ता के? ऐ उक्तिर तांपर्य की?)

- b) 'षड् जीवलोकस्य सुखानि राजन्'—ब्याख्यायताम्। (ब्याख्या करो।)
- c) 'तम्रया नीतिं ग्राहयितुं शक्यस्ते' इति वाक्यं केन कथमुक्तम्?
(‘तम्रया नीतिं ग्राहयितुं शक्यस्ते’—एই वाक्यटि के केन बलेछिलेन?)
- d) वरमेको गुणी पुत्रो न च मूर्खशतान्यपि।

एकश्चन्द्रस्तमो हस्ति न च तारागगोऽपि च॥—ब्याख्यायताम्। (ब्याख्या करो)

- e) 'उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपेति लक्ष्मीः'—भावः सम्प्रसार्यताम्। (भावसम्प्रसारण करो)
- f) मातृभाषयानुबद्धत। (मातृभाषाय अनुबाद करो)

इत्याकर्ण्यात्मानः पुत्रागमनधिगतशास्त्रागां नित्यमूलार्गगामिनां शास्त्राननुष्ठाने—नोद्विघ्नमनाः स राजा चित्तयामास—

कोऽर्थः पुत्रेण जातेन यो ना विद्वान् न धार्मिक।

कागेन चूषा किंवा चूःपीड़िव केवलम्॥

अजातमृतमूर्खागां वरमाद्यो न चास्तिमः।

सकृदुःखकरावाद्याबस्तिमस्तु पदे पदे॥।

- g) निम्नलिखितेयु पञ्चपदानां सन्धिविच्छेदः करणीयः।
(निम्नलिखित पदगुलिर मध्ये पाँचि पदेर सन्धिविच्छेद करो।)

- i) नीतिस्तदिह।
- ii) धनुर्बंशविशुद्धोऽपि।
- iii) एकश्चन्द्रस्तमः।
- iv) पञ्चतत्त्वात्तथान्यस्मात्।
- v) पात्रात्तदनमाप्नोति।
- vi) वृह्म्पतिरिवाग्रवी॑।
- vii) चित्ताविषयोऽहयमगदः।

- h) 'स भूपतिरेकदा केनापि पर्यग्नानं श्लोकद्वयं शुश्राव'—इत्यत्र भूपतिः कः? तेन श्रुतं श्लोकद्वयं लिख्यताम्।
(‘स भूपतिरेकदा केनापि पर्यग्नानं श्लोकद्वयं शुश्राव’—एखाने भूपति के? तिनि ये श्लोकद्वृति शुनेछिलेन ता लेखो)

- | | | |
|----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|
| 2. | अधोलिखितेयु प्रश्नेयु प्रश्नात्रयस्योन्नतरः प्रदेयम्।
(निम्नलिखित प्रश्नगुलिर मध्ये तिनाटि प्रश्नेर उत्तर दिते हवे।) | 10×3=30 |
| a) | उद्यमपुरुषकाररोः महत्त्वं हितोपदेशदिशा आलोचनीयम्।
(‘हितोपदेश’ ग्रन्थ अबलम्बने उद्यम ओ पुरुषकाररेर महत्त्व आलोचना करो।) | 10 |

- b) সংস্কৃতসাহিত্যে হিতোপদেশস্য গুরুত্বমালোচনীয়ম্।
(সংস্কৃত সাহিত্যে ‘হিতোপদেশ’ গ্রন্থের গুরুত্ব আলোচনা করো) 10
- c) ‘এতচিষ্টয়িত্বা স রাজা পণ্ডিতসভাং কারিতবান्’ ইত্যত্র রাজা কিৎ চিষ্টিতম্? কথৎ সঃ পণ্ডিতসভাং কারিতবান्?
(‘এতচিষ্টয়িত্বা স রাজা পণ্ডিতসভাং কারিতবান্’—এখানে রাজা কি চিষ্টা করেছিলেন? তিনি কেন পণ্ডিতসভা ডেকেছিলেন?) 10
- d) পাঠ্যাংশস্য বিষয়মনুস্ত্য সদসৎপুত্রবিষয়ে একো নিবন্ধঃ রচনীয়ঃ।
(পাঠ্যাংশের বিষয় অনুসরণে সৎ ও অসৎ পুত্র বিষয়ে একটি নিবন্ধ রচনা করো।) 10
- e) হিতোপদেশানুসারং বিদ্যাপ্রশংসা বর্ণনীয়া।
(‘হিতোপদেশ’ অনুযায়ী বিদ্যাপ্রশংসা বর্ণনা করো।)
-